भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 736
गुरूवार, 08 फरवरी, 2024/19 माघ, 1945 (शक)

देश में बेरोजगारी के आंकड़े

736. श्री प्रमोद तिवारीः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में रोजगार संकट की स्थिति से अवगत है, और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार देश में बेरोजगारी दर संबंधी आंकड़े एकत्र करने का विचार रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान रोजगार के कितने नए अवसर और रिक्तियां निर्मित की गई हैं; और

(घ) तत्संबंधी वर्ष-वार आंकड़े क्या हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। इस सर्वेक्षण की अवधि, जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की अवधि के दौरान देश में सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों का अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) और बेरोजगारी दर (यूआर) निम्नानुसार हैः

वर्ष	डब्ल्यूपीआर (% में)	यूआर (% में)
2018-19	47.3	5.8
2019-20	50.9	4.8
2020-21	52.6	4.2
2021-22	52.9	4.1
2022-23	56.0	3.2

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

उपरोक्त आंकड़ें दर्शाते हैं कि देश में पिछले कुछ वर्षों में बेरोजगारी दर में गिरावट की प्रवृत्ति है और रोजगार को दर्शाने वाले कामगार जनसंख्या अनुपात में वृद्धि की प्रवृत्ति है।

केंद्र सरकार में पदों का सृजन और उन्हें भरना संबंधित मंत्रालय/ विभाग की जिम्मेदारी है। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में रिक्तियों को भरना एक सतत प्रक्रिया है और संबंधित भर्ती नियमों के प्रावधानों के अनुसार रिक्तियों को भरने का प्रयास किया जाता है।

*****